क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण की योजना जिसके अन्तर्गत आदिवासी क्षेत्रों व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र खोले जाते हैं।

(2)अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए स्वैच्छिक संगठनों में सहायता की योजना जिसके अन्तर्गत कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना करने के लिए गैर-सरकारी संगठनों को सहायता अनुदान दिया जाता हैं।

(3)कोचिंग और सम्बद्ध योजना जिसके अन्तर्गत रोजगार प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने के लिए शिक्षित बेरोजगार युवको को कोचिंग सुविधाएं प्रदान करने हेतु संगठनों को सहायता अनुदान दिया जाता हैं।

(ख)उपर्युक्त योजना सं0 (1) के अन्तर्गत बजटीय सीमाओं के कारण 5 व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों की मांग के मुकाबले में मध्य प्रदेश राज्य सरकार को आदिवासी युवकों हेतु तीन व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र मंजूर किए गए थे। योजना सं0 (2) के अन्तर्गत राज्य में 18 प्रशिक्षण केन्द्र कार्य कर रहे हैं।

योजना से (3) अन्तर्गत राज्य में 10 कोचिंग केन्द्रों की स्थापना कर गई हैं।

(ग)आदिवासी युवकों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र की योजना में मध्य प्रदेश से कार्यान्वयन रिपोर्ट के अभाव में 1993-94 के बाद कोई और अनुदान नहीं दिया गया है।

योजना सं0 (2) के अन्तर्गत पर तब विचार किया जाता हैं जब कभी राज्य सरकार गैर सरकारी संगठनों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों को प्रयोजितए करती हैं।

Equal Participation by Women in Decision Making

*288. SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether the National Policy of Women has stressed the need for positive affirmative action for Women's equal participation at all levels of decision making;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether National Policy of Women provides for equal enjoyment of equal rights by women over productive resources, education, health etc.;

(d) whether such a Policy is final;

(e) whether all possible steps have been taken to implement this Policy; and

(f) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) to (f) Does not arise, since the details of proposed National Policy on Women are yet to be finalised.

Setting up of Kendriya Sanskrit Vidyapcethi in Himachal Pradesh

*289. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state;

(a) whether the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi, has approved the setting up of a Kendriya Sanskrit Vidyapeeth in Kangra Distt. of Himachal Pradesh on the demand of that state;

(b) if so, when the Governing Body of the Sansthan accorded the approval;

(c) whether this Vidyapeeth has started functioning; and

(d) if not, the reasons for delay and the date on which the Government of Himachal Pradesh submitted the request to the Central Government?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Yes, sir.

(b) the proposal for setting up a Kendriya Sanskrit Vidyapeetha in Himachal Pradesh was approved by the Governing Body of Rashtriya Sanskrit Sansthan in its meeting held on 24-5-1995.

(c) No, sir.

(d) The Govt, of Himachal Pradesh